रोल नं. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

001

201 (HSA)

2020
हिन्दी

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×5=10

हिमालय कहने से भारतवर्ष की भौगोलिक सीमा का ही केवल स्मरण नहीं होता भारत की पवित्रता का, ऊँचाई का भी बोध होता है। वह पूर्व और पश्चिम समुद्र को गहाने वाला पृथ्वी का मानदण्ड मात्र नहीं है। यह है देवतात्मा। उसकी आत्मा देवता है और वह देवताओं की आत्मा है।

हिमालय इस वसुन्धरा का वत्स है। पुराणों में कहानी आती है कि पृथ्वी बंजर होने लगी थी, प्रजा दुःख से पीड़ित होने लगी थी, देवताओं को यज्ञ भाग मिलना कठिन होने लगा था तब पृथु राजा ने पृथ्वी को डराया धमकाया। पृथ्वी ने कहा – मैंने अनाचार बढ़ता हुआ देखकर रत्न, औषधियां और हरियाली अपने भीतर छिपा ली हैं। मैं गाय का रूप धारण करूँगी और तुम मेरे लिए उपयुक्त बछड़ा ढूंढो। मैं यह सारी सामग्री दूध के रूप में प्रस्तुत कर दूंगी। पृथु ने पर्वतों में नये पर्वत हिमालय को बछड़ा बनाया और हिमालय के वात्सल्य से पिन्हाकर धरती ने रस, औषधियों से और रत्नों से मटके के मटके भर दिए। सृष्टि की यह कहानी हिमालय के आविर्भाव के बाद एक नये देश और एक नयी संस्कृति के उत्थान की कहानी है। हिमालय उस संस्कृति का अग्रदूत है जो आत्मदान में विश्वास करती है।

हिमालय का बड़प्पन केवल नगाधिराज होने के कारण नहीं है उसका बड़प्पन गंगा जैसी नदियों को जन्म देने के कारण है। इन नदियों के माध्यम से हिमालय अपनी उदारता, शुचिता और समृद्धि मुक्त हस्त लुटा रहा है। ऋग्वेद में इसलिए स्रष्टा के महत्व (महिमा) से हिमालय को उद्‌भूत बतलाया गया है।

(क) हिमालय कहने से भारतवर्ष की भौगोलिक सीमा के अतिरिक्त क्या बोध होता है?

(ख) पृथु राजा ने पृथ्वी को क्यों डराया-धमकाया?

(ग) हिमालय कौन सी संस्कृति का अग्रदूत है?

(घ) हिमालय का बड़प्पन किस रूप में है?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

Downloaded from cclchapter.com

2. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए। 10

(क) जल ही जीवन है

(i) जल का जीवन में महत्व

(ii) स्वच्छ पेयजल

(iii) जल संरक्षण

(iv) प्रदूषण और उससे बचाव

(ख) कम्प्यूटर : आज की आवश्यकता

(i) प्रस्तावना (ii) कम्प्यूटर का विकास

(iii) कम्प्यूटर की उपयोगिता (iv) उपसंहार

3. विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अपने मित्र को बधाई देते हुए उसे एक पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है) 5

अथवा

नगर निगम अधिकारी को पत्र लिखिए कि आपके क्षेत्र में सड़कों पर बहुत सा पानी जमा हो गया है, जिससे मलेरिया फैलने का डर है। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है)

4. निम्न वाक्यों में क्रिया पद छांटकर क्रिया का भेद बताइए- 1×2=2

(क) विद्यार्थी परीक्षा भवन में जा रहे हैं।

(ख) वह पानी पी रहा है।

यथा निर्देश उत्तर लिखिए - 1×2=2

(ग) छात्र ध्यान पूर्वक पढ़ते हैं। (क्रिया विशेषण छाँटकर लिखिए)

(घ) रेल से जाने की अपेक्षा तुम हवाई जहाज से चले जाओ। (समुच्चय बोधक शब्द छाँटकर लिखिए)

5. निम्नांकित का यथा निर्देश उत्तर दीजिए- 1×4=4

(क) 'जिन विद्यार्थियों ने परिश्रम किया वे उत्तीर्ण हो गए।' यह निम्न में से किस प्रकार का वाक्य है-

(i) सरल वाक्य (ii) मिश्र वाक्य (iii) संयुक्त वाक्य

(ख) निम्न में से प्रश्नवाचक वाक्य का चयन कीजिए-

(i) मोहन आज विद्यालय नहीं गया। (ii) वह समझदार है।

(iii) तुम क्या कर रहे हो?

(ग) अशोक पुस्तक पढ़ता है। (कर्म वाच्य में बदलिए)

(घ) अमित से दौड़ा नहीं जाता है। (कर्तृ वाच्य में बदलिए)

Downloaded from cclchapter.com

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में से 'तारा' शब्द का अर्थ छांटकर लिखिए – 1

(i) चन्द्र (ii) नक्षत्र (iii) रश्मि

(ख) 'चन्द्रमा' का पर्यायवाची शब्द बताइए– 1

(i) भानु (ii) राकेश (iii) दिनकर

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी **एक** काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 3×2=6

(i) हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जक री।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी।।

(क) गोपियों के लिए 'हारिल की लकरी' कौन है और किस रूप में? स्पष्ट कीजिए।
(ख) गोपियों को 'करूई ककरी' की तरह क्या लगता है और क्यों?
(ग) गोपियों के लिए 'ब्याधि' का आशय क्या है?

(ii) फसल क्या है?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण धर्म है
रूपांतर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का!

(क) कवि ने फसल को 'नदियों के पानी का जादू' कहा है। उक्त कथन को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।
(ख) फसल के लिए 'हाथों के स्पर्श की महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है?
(ग) 'मिट्टी के गुण धर्म' से क्या अभिप्राय है? वर्तमान जीवन-शैली का 'मिट्टी के गुण धर्म' पर क्या प्रभाव पड़ रहा है?

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 3×2=6

(क) राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए?

(ख) 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर फागुन की आभा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

Downloaded from cclchapter.com

(ग) 'आग रोटियां सेकने के लिए है, जलने के लिए नहीं'। 'कन्यादान' कविता के आधार पर इन पंक्तियों से माँ ने बेटी को सचेत करना क्यों जरूरी समझा?

9. (क) कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है? 2

(ख) बच्चे की दंतुरित मुसकान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है? 2

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी **एक** गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(i) अत्रि की पत्नी पत्नी-धर्म पर व्याख्यान देते समय घंटों पांडित्य प्रकट करे, गार्गी बड़े-बड़े ब्रह्मवादियों को हरा दे, मंडन मिश्र की सह धर्मचारिणी शंकराचार्य के छक्के छुड़ा दे! गजब! इससे अधिक भंयकर बात और क्या हो सकेगी! यह सब पापी पढ़ने का अपराध है। न वे पढ़तीं, न वे पूजनीय पुरूषों का मुकाबला करतीं। यह सारा दुराचार स्त्रियों को पढ़ाने ही का कुफल है। समझे। स्त्रियों के लिए पढ़ना कालकूट और पुरूषों के लिए पीयूष का घूँट! ऐसी ही दलीलों और दृष्टांतो के आधार पर कुछ लोग स्त्रियों को अपढ़ रखकर भारतवर्ष का गौरव बढ़ाना चाहते हैं।

(क) प्राचीन भारत में स्त्री-शिक्षा की स्थिति सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'स्त्रियों के लिए पढ़ना कालकूट और पुरूषों के लिए पीयूष का घूंट!' इस कथन से लेखक का क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए।

(ii) फ़ादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है। उनको देखना करूणा के निर्मल जल में स्नान करने जैसा था और उनसे बात करना कर्म के संकल्प से भरना था। मुझे 'परिमल' के वे दिन याद आते हैं जब हम सब एक पारिवारिक रिश्ते में बँधे जैसे थे जिसके बड़े फ़ादर बुल्के थे। हमारे हँसी-मज़ाक में वह निर्लिप्त शामिल रहते, हमारी गोष्ठियों में वह गंभीर बहस करते, हमारी रचनाओं पर बेबाक राय और सुझाव देते और हमारे घरों के किसी भी उत्सव और संस्कार में वह बड़े भाई और पुरोहित जैसे खड़े हो हमें अपने आशीषों से भर देते। मुझे अपना बच्चा और फ़ादर का उसके मुख में पहली बार अन्न डालना याद आता है और नीली आँखों की चमक में तैरता वात्सल्य भी - जैसे किसी ऊँचाई पर देवदारू की छाया में खड़े हों।

(क) फ़ादर को याद करना उदास संगीत जैसा क्यों प्रतीत होता है?

(ख) लेखक फ़ादर कामिल बुल्के को देवदारू की छाया-सा क्यों कहता है?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(क) 'नेताजी का चश्मा' कहानी हमें क्या संदेश देती है?

(ख) किन महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुई-धागे का आविष्कार हुआ होगा?

(ग) बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा किन-किन रूपों में प्रकट हुई?

Downloaded from cclchapter.com

12. (क) 'एक कहानी यह भी' की लेखिका का नाम बताइए। लेखिका के व्यक्तित्व पर किन लोगों का किस रूप में प्रभाव पड़ा? संक्षेप में बताइए। 3

(ख) कुछ पुरातन पंथी लोग स्त्रियों की शिक्षा के विरोधी थे। द्विवेदी जी ने क्या-क्या तर्क देकर स्त्री शिक्षा का समर्थन किया? 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×3=6

(क) 'माता का अँचल' पाठ में माता-पिता का बच्चे के प्रति जो वात्सल्य प्रकट हुआ है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर बताइए कि रानी एलिजाबेथ के दर्जी की परेशानी का क्या कारण था? उसकी परेशानी को आप किस प्रकार तर्कसंगत ठहराएँगे?

(ग) झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका को किस तरह सम्मोहित कर रहा था?

(घ) 'मैं क्यों लिखता हूँ?' के आधार पर बताइए कि लेखक को कौन-सी बातें लिखने के लिए प्रेरित करती हैं?

खण्ड-ब

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा **त्रीन** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत - 2×3=6

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

चन्द्रगुप्तः मगधदेशस्य नृपः आसीत्। तस्य मन्त्री चाणक्यः आसीत्। तपोधनः सः राजतन्त्रस्य ज्ञाता आसीत्। स एकस्मिन् उटजे निवसति स्म। सः वैराग्य-भावनया पूर्णः आसीत्। नृपः एकवारं चाणक्याय कम्बलानि दत्तवान्। तानि कम्बलानि निर्धनेभ्यः दातुं नृपः सूचितवान्। चाणक्यस्य उटजं नगराद् बहिः आसीत्। केचन चोराः कम्बलानि अपहर्तुं चिन्तितवन्तः। ते एकदा रात्रौ चाणक्यस्य उटजं प्रविष्टवन्तः।

(क) चाणक्यः कस्य मन्त्री आसीत्?

(ख) चाणक्यः कुत्र निवसति स्म?

(ग) चौराः किं चिन्तितवन्तः?

(घ) चौराः रात्रौ कुत्र प्रविष्टवन्तः?

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×2=4

(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

नितरां नीचोऽस्मीति त्वं खेदं कूप मा कृथाः।
अत्यन्तसरसहृदयो यतः परेषां गुणग्रहीतासि।।

(क) कूपः किं खेदं करोति?

(ख) कविः कूपं किं कर्तुं न कथयति?

(ग) कूपः कीदृशः अस्ति?

Downloaded from cclchapter.com

16. पठित-पाठाधारितान् **त्रीन** प्रश्नान् पूर्ण वाक्येन उत्तरत- 2×3=6
(पठित पाठों के आधार पर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए।)

(क) सज्जनाः कीदृशाः भवन्ति? (ख) कौत्सः कस्य शिष्यः आसीत्?
(ग) गङ्गा कुतः प्रवहति? (घ) विवेकानन्दः कदा देशं अटितवान्?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं **चत्वारि** रिक्त स्थानानि पूरयत- 1×4=4
(निम्नलिखित दिए गये शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं **चार** वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

शब्द सूची - हंस, सुखस्य, श्रेष्ठः, मोक्षप्रदं, क्षमां, सत्सङ्गतिः

(क) सज्जनानां सङ्गतिः..... भवति।
(ख) नीरक्षीरविवेके.....आलस्यं त्वमेव तनुषे चेत्।
(ग) ते चाणक्यं .....प्रार्थितवन्तः।
(घ) दुःखं विना नैव.....बोधः।
(ङ) हरिद्वारं.....नगरम् अस्ति।
(च) हिमालयपर्वतः भारतस्य पुण्य पर्वतेषु.....अस्ति।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं **त्रीन** प्रश्नान् उत्तरत- 2×3=6
(निम्नलिखित में से निर्देशानुसार किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए)

(क) सन्धिं कुरूत (सन्धि कीजिए)-
ने + अनम्, पितृ + आदेशः

(ख) सन्धि विच्छेदं कुरूत (सन्धि विच्छेद कीजिए)-
स्वागतम्, पूर्णेन्दुः

(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरूत। (समास विग्रह करके समास का नाम लिखिए)
भोजनालयः, सूर्यचन्द्रौ

(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् पृथक् कृत्वा लिखत। (निम्नलिखित पदों में उपसर्ग अलग कर लिखिए)-
अनुचरः, अधिभारः

(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत। (कोष्ठक में दिए शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए) -
(i) बालकः.....पुस्तकं ददाति। (मित्राय, मित्रम्)
(ii) खगाः..... तिष्ठन्ति। (वृक्षे, वृक्षाणाम्)

Downloaded from cclchapter.com

19. निम्नांकित शब्दसूचीतः **चतुर्णां** शब्दानां वाक्य प्रयोगं कुरूत- 1×4=4

(निम्न शब्दों में से किन्हीं **चार** का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।)

(क) छात्रः (ख) कदा (ग) खेलति

(घ) आवाम् (ङ) आकाशे (च) संस्कृतम्

अथवा

अधोलिखितेभ्यः वाक्येभ्यः **द्वयोः** संस्कृतानुवादं कुरूत। (निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।) 2×2=4

(क) शिवाजी वीर पुरूष थे।

(ख) वृक्ष से फल गिरा।

(ग) तुम घर जाओ।

*****

Downloaded from cclchapter.com